MUTHA - III (2008 Course) : WINTER - 2016

Subject : Company Law & Practice-III

Day : Thursday
Date : 13/10/2016

S.D.E. 32063

Time : 3.00 P.M. TO 6.00 P.M.
Max Marks : 80 Total Pages : 3

N.B.:

1) All questions are **COMPULSORY**.
2) Figures to the right indicate **FULL** marks.
3) Both the sections should be written in the **SAME** answer book.

SECTION - I

Q.1 Attempt **ANY TWO** of the following: **[16]**

a) Explain different kinds of securities for borrowing.
b) What is ultra – vires borrowing? State its legal consequence.
c) Define 'Business Ethics'. State the need and principles of business ethics.
d) Define 'code of conduct'. Describe the code of conduct for professionals.

Q.2 Write short notes on **ANY FOUR** of the following: **[16]**

a) Protection of minority
b) Supremacy of majority
c) Restrictions on borrowing powers of company
d) Code of effective co-operate governance
e) SEBI guidelines for issue of debentures
f) Public deposit

SECTION – II

Q.3 Attempt **ANY TWO** of the following: **[16]**

a) Explain the provisions of the companies Act regarding qualification and disqualification of an auditor.
b) State the advantages and disadvantages of amalgamation.
c) Describe the procedure of member's voluntary winding up of a company.
d) Define official liquidator. State the powers of liquidator.

Q.4 Attempt **ANY TWO** of the following: **[16]**

a) What is Reconstruction? State the types of reconstruction.
b) Distinguish between winding up and dissolution of company.
c) Explain the provisions regarding appointment of an auditor of company.
d) What are the rights of a company auditor?

Q.5 Write short notes on **ANY FOUR** of the following: **[16]**

a) Status of a company auditor
b) Removal of an auditor
c) Balance sheet of a company
d) Amalgamation and national interest
e) Remuneration of an auditor
f) Consequences of voluntary winding up

* * * * *

मराठी रूपांतर

सूचना: १) सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.
२) उजवीकडील अंक पुर्ण गुण दर्शवितात.
३) दोन्ही विभाग एकाच उत्तरपत्रिकेत लिहावेत.

विभाग - १

प्र.१ खालीलपैकी कोणतेही **दोन** प्रश्न सोडवा. (१६)

अ) कर्जाच्या तारणाचे विविध प्रकार स्पष्ट करा.

ब) 'अधिकार बाह्य कर्ज' म्हणजे काय? अधिकार बाह्य कर्जाचे कायदेशीर परिणाम सांगा.

क) 'व्यावसायिक नैतिकते'ची व्याख्या द्या. त्याची आवश्यकता व मूलतत्वे सांगा.

ड) 'आचारसंहिते'ची व्याख्या द्या. व्यावसायिक आचारसंहिता वर्णन करा.

प्र.२ खालीलपैकी कोणत्याही **चारवर टीपा** लिहा. (१६)

अ) अल्पसंख्याकांचे हितरक्षण

ब) बहुमताचे वर्चस्व

क) कंपनीच्या कर्ज काढण्याच्या अधिकारावरील बंधने

ड) कार्पोरेट गव्हर्नन्सच्या प्रभावी बाबी

इ) कर्जरोखे विक्रीबाबत 'सेबी' च्या मार्गदर्शक सूचना

फ) सार्वजनिक ठेवी

विभाग - २

प्र.३ खालीलपैकी कोणतेही **दोन** प्रश्न सोडवा. (१६)

अ) कंपनीच्या लेखापरीक्षकाची पात्रता व अपात्रता यासंबधी कंपनी कायद्यातील तरतुदी सांगा.

ब) सामिलीकरणाचे फायदे-तोटे सांगा.

क) सभासदांव्दारे करण्यात येणाऱ्या ऐच्छिक समाप्तीकरणाची कार्यपध्दती वर्णन करा.

ड) 'विसर्जन अधिकाऱ्या'ची व्याख्या द्या. त्याचे अधिकार सांगा.

प्र.४ खालीलपैकी कोणतेही **दोन** प्रश्न सोडवा. (१६)

अ) 'कंपनीची पुनर्रचना' म्हणजे काय? पुनर्रचनेचे प्रकार सांगा.

ब) कंपनीचे समाप्तीकरण व विसर्जन यातील फरक स्पष्ट करा.

क) लेखापरीक्षकाच्या नेमणूकीसंदर्भात कंपनी कायद्यातील तरतुदी सांगा.

ड) कंपनीच्या लेखापरीक्षकाचे अधिकार कोणते?

प्र.५ खालीलपैकी कोणत्याही **चारवर टीपा** लिहा. (१६)

अ) कंपनीच्या लेखापरीक्षकाचे स्थान

ब) लेखापरीक्षकाला काढून टाकणे

क) कंपनीचा ताळेबंद

ड) सामिलीकरण व राष्ट्रीय हित

इ) लेखापरीक्षकाचा मोबदला

फ) ऐच्छिक समाप्तीकरणाचे परिणाम

* * * * *

हिंदी रूपांतर

सूचना: १) सभी प्रश्न अनिवार्य है।
२) दाहिने बाजू के अंक प्रश्न के पूर्ण गुण दर्शाते है ।
३) दोनों विभाग एकही उत्तरपत्रिका में लिखिए ।

खंड- १

प्र.१ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **दो** के उत्तर लिखिए । (१६)
अ) उधारियां की रेहनों के विभिन्न प्रकार स्पष्ट किजिए ।
ब) पराधिकार उधारियां किसे कहते है ? उसके कानुनी परिणाम बताइए ।
क) 'व्यवसाय मानक' की परिभाषा दीजिए। उसकी आवश्यकता और सिध्दांत बताइए ।
ड) 'आचार-संहिता' की परिभाषा दीजिए। व्यावसायिक आचार-संहिता वर्णन कीजिए ।

प्र.२ निम्नलिखित में से किन्ही **चारपर** टिप्पणीयाँ लिखिए । (१६)
अ) अल्पसंख्यक वर्ग की हितसुरक्षा
ब) बहुमत सर्वेच्चता
क) कंपनी के उधारियां लेने के अधिकार पर पाबंदी
ड) प्रभावोत्पादक कार्पोरेट गवर्नन्स की संहिता
इ) ऋणपत्र बिक्री में 'सेबी' के दिशानिर्देश
फ) सार्वजनिक जमाराशियां

खंड- २

प्र.३ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **दो** के उत्तर लिखिए । (१६)
अ) कंपनी के सनदी लेखाकार की अर्हता और अनर्हता के बारे में कानुनी प्रावधानियां स्पष्ट कीजिए ।
ब) सम्मिश्रण के लाभ और हानि समझाइए ।
क) कंपनी की सदस्यों व्दारा स्वैच्छिक समाप्ति की प्रक्रिया वर्णन कीजिए ।
ड) 'आधिकारिक समाप्तिकर्ता' की परिभाषा दीजिए । उसके अधिकार समझाइए ।

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **दो** के उत्तर लिखिए । (१६)
अ) कंपनी की 'पुनर्रचना' किसे कहते है? उसके प्रकार कौनसे है ?
ब) कंपनी के समाप्ति और व्यापारी समझौता रद्द का भेद बताइए ।
क) कंपनी के सनदी लेखाकार की नियुक्ति के बारे में कानुनी प्रावधानियां स्पष्ट किजिए ।
ड) कंपनी सनदी लेखाकार को कौनसे अधिकार होते है?

प्र.५ निम्नलिखित में से किन्ही **चारपर** टिप्पणीयाँ लिखिए । (१६)
अ) सनदी लेखाकार की वैधानिक स्थिती
ब) सनदी लेखाकार को हटाना
क) कंपनी का तुलनपत्र
ड) सम्मिश्रण और राष्ट्रहित
इ) सनदी लेखाकार का मेहेनताना
फ) स्वैच्छिक समाप्ति के परिणाम

* * * * *